## विहार-विधान सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण सभा को अधिवेसन पटने के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि १ अक्तूबर, १६५४ को ११ बर्खे पूर्वाह्म में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

## म्रल्प सूचना प्रश्नोत्तर।

## SHORT NOTICE QUESTION AND ANSWERS.

APPOINTMENT OF TEACHERS UNDER THE IMPROVEMENT AND EXPANSION SCHEME.

75. Shri SATYENDRA NARAYAN AGRAWAL: Will the Education Minister be pleased to state—

- in Bhagalpur District under the Improvement and Expansion Scheme;
- (t) whether it is a fact that for purposes of providing trained teachers to the Primary and Middle Schools under that Scheme, untrained teachers at present working in those schools in Bhagalpur District satisfactorily are being removed;
- (c) whether it is a fact that many of these untrained teachers have been working in such schools for periods ranging from a year to many years;
- (d) whether it is a fact that many of these untrained teachers are not eligible because of their age for entrance into any fresh service;
- (é) (i) whether it is a fact that even trained teachers serving in such schools (which the Government are seeking to improve) and who are above 35 years of age are being removed from their posts and replaced by younger men;
- (ii) whether the removal of all such teachers will cause wide unemployment and much misery to them and their dependants, in all a large number of people of this State, if their removal is being done under the orders of the Government?

Shri BADRI NATH VERMA: (a) The answer is in the affirmative.

- (t) The answer is in the negative.
- (c) The answer is in the affirmative.
- (d) The question does not arise,

गृह-निर्माण के लिये हरिजनों को रुपये।

५७४। श्री जगन्नाय प्रसाद "स्वतंत्र"—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह वताने की रुपा करेंगे कि-

(क) क्या यह बात सही है कि चम्पारण जिले के हरिजनों को घर बनाने के लिये १९५३-५४ साल में सरकार द्वारा रुपये की मंजूरी हुई है, अगर उत्तर हां में है, तो प्रत्यंक हरिजन को कितने रुपये की मंजूरी हुई है, उनके नाम, पता, थाना आदि क्या

(ख) क्या यह बात सही है कि जिन हरिजनों को नया घर बनवाने के लिये सरकार द्वारा रुपये मंजूर हुए हैं उनके पास ग्रपनी निजी जमीन कुछ भी नहीं है, ग्रगर उत्तर हां में हैं, तो सरकार इनके घर बनवाने के लिये क्या व्यवस्था करेगी;

(ग) क्या यह बात सही है कि बहुत से ऐसे हरिजन हैं जिनके पास श्रपनी जमीन होते हुए भी रुपये की कमी के कारण घर नहीं बना पाये हैं, ऐसे हरिजनों के लिये

श्री मोला पासवान---(क) हां, १६५३-५४ वर्ष में ६,६०४ रुपये ८ ग्राने की

स्वीकृति चम्पारण जिले में दी गयी थी जिसमें १,२१२ रुपये द भ्राना जमीन खरीदने के लिये दिया गया था। शेष ४,३६२ हपये १६ हरिजनों के गृह-निर्माण के लिये रे इं७ रुपये की दर से दिया गया था। इसकी सूची नीचे दी जाती है।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है। जमीन प्राप्त करने के लिये भी उचित कार्रवाई की

(ग) उत्तर स्वीकारात्मक है। वर्त्तमान गृह-निर्माण योजना के प्रन्तर्गत सरकार वैसे हरिजनों के लिये गृह-निर्माण करना चाहती है (१) जिनके पास न अपनी जमीन हैं। न ग्रपना घर है और (२) जिनके पास थोड़ी सी ग्रपनी जमीन है पर पास में ग्रावश्यक सामन उपलब्ध नहीं है जिनसे वे ग्रपने रहने योग्य गृह-निर्माण कर सके ।

कम सं०	हरिजनों का नाम ।	्र पाय गृह-निर्माण कर सके ।				
		• ग्राम	। थाना।	जाति ।		
8	निखारी मल्ली					
Ŕ	श्रदालत मल्ली	मिठिया	मोतिहारी	डोम		
, <b>ફ</b>	• • •	• • मिठया	मोतिहारी	डोम		
ጸ	जुनुम मल्ली	• मठिया	मोतिहारी	डोम		
¥	मकलू मल्ली	• मठिया	मोतिहारी	डोम		
Ę	जूगन मल्ली	• मठिया	मोतिहारी	ुडोम		
9	जालजी मल्ली	· · मठिया	मोतिहारी	॰ ंडोम .		
		- मठिया	मोतिहारी	डोम		

•	0				•	•
क्रम सं०	हरिजनों का	नाम ।		ग्राम ।	थाना ।	जाति ।
. 5	जोखू मल्ली	• •	• •	मठिया	मोतिहारी	<u>ड</u> ोम
3	भीखन राम	• •	• • •	. बसबरिया	बेतिया .	चगार
80	मंगल राम	• •	• •	वसवरिया	बे तिया	चमार
<b>* * ?</b> ?	विशुन राम			बसबरियां	बें तिया	चमार
१२	मथुरा राम	• •		बसबरिया	बे तिया	चमार
१३	सुन्दर राम	•••		बसवरिया	बेतिया .	चमार
१४	चौधरी राम	• •	• • •	बसवरिया	बे तिया	चमार
१५	कुशियल राम	• •		बसबरिया	बे तिया	चमार
१६	बुधय राम	• •	٠.	वसवरिया	बे तिया	चमार

ADIVASI HOSTELS IN CHOTA NAGPUR AND SANTAL PARGANAS.

575. Shri PAUL DAYAL: Will the Minister, in charge of the Welfare Department, be pleased to state—

- (a) the number of Adibasi hostels in Chota Nagpur and Santal Parganas districtwise;
- (b) whether it is a fact that none of the Superintendents of the hostels is an Adivasi, if not whether Government propose to give the names of the Adivasi Superintendents and the names of the hostels the are in;
- (c) the pay or remuneration of the different hostel |Superintendents?

Shri BHOLA PASWAN: (a) The number of Aboriginal Hostels in Chota Nagpur and Santal Parganas districtwise is as follows:—

Hostel in— Managed

		110806	и иі—	managed	
Name of district.		Govt. buildings.	Hired houses.	by Seva Mandals	
Hazaribagh	• •	Ž	3	1	
Palamau · ·	• •	• •	• •	Z	
Mambhum	• •	2	3	: .	
Ranchi	• •	10	6	10	#a 133 A
Singhbhum	• •	8	12*	• •	*3 will shortly
Santal Parganas		. <b>4</b>	11	3	shift to Govern- ment buildings

<sup>(</sup>b) It is not a fact.